

भारत में चीता पुनर्वास

भारत जल्द ही मध्य प्रदेश के श्योपुर ज़िले के कुनो पालपुर में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से लाए गए चीतों को जंगल में छोड़ेगा।

- यह चीतों के अंतर-महाद्वीपीय पुनर्वास की भारत की महत्त्वाकांक्षी योजना की शुरुआत करेगा।
- देश का अंतिम चित्तीदार चीता वर्ष 1947 में छत्तीसगढ़ में मृत पाया गया था और वर्ष 1952 में इसे देश में वल्लिप्त घोषित कर दिया गया था।
- [भारतीय वन्यजीव संस्थान \(WII\)](#) ने कुछ साल पहले एक चीता पुनर्वास परियोजना तैयार की थी।

चीतों से संबंधित प्रमुख बटु:

- **परिचय:**
 - चीता बड़ी बलिली प्रजातियों में सबसे पुरानी प्रजातियों में से एक है, जिनके पूर्वजों को पाँच मिलियन से अधिक वर्ष पूर्व मयोसीन युग में खोजा जा सकता है।
 - चीता दुनिया का सबसे तेज़, भूमिस्तनपायी भी है जो अफ्रीका और एशिया में पाया जाता है।
- **अफ्रीकी चीता:**
 - **वैज्ञानिक नाम:** एसनिनकिस जुबेटस।
 - **वशिष्टताएँ:** इनकी त्वचा थोड़ी भूरी और सुनहरी होती है जो एशियाई चीतों से मोटी होती है।
 - एशियाई प्रजाति की तुलना में उनके चेहरे पर बहुत अधिक धब्बे और रेखाएँ पाई जाती हैं।
 - **वतिरण:** पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में हज़ारों की संख्या में पाए जाते हैं।
 - **संरक्षण स्थिति:**
 - **IUCN रेड लिस्ट:** 'सुभेद्य' (Vulnerable)
 - **CITES:** सूची का परशिष्ट-1
 - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** परशिष्ट-2.



- **एशियाई चीता:**
 - **वैज्ञानिक नाम:** एसनिनकिस जुबेटस वेनेटकिस।
 - **वशिष्टताएँ:** यह अफ्रीकी चीता की तुलना में छोटा होता है।
 - शरीर पर बहुत अधिक फर, छोटा सरि व लंबी गर्दन, आमतौर पर इनकी आँखें लाल होती हैं और ये प्रायः बलिली के समान दखिते हैं।
 - **वतिरण:** ये केवल ईरान में पाए जाते हैं और वहाँ भी इनकी संख्या 100 से कम बची है।
 - **संरक्षण:**
 - **IUCN रेड लिस्ट:** 'अतिसंकटग्रस्त' (Critically Endangered)

- CITES: परशिषिट-1
- WPA: अनुसूची-2



खतरे :

- मानव-वन्यजीव संघर्ष, आवास की क्षत और शकार की अनुपलब्धता एवं अवैध तस्करी ।
- वनों की कटाई और कृषि के चलते वन भूमि एवं चीता आवासों में कमी आई है ।
- जलवायु परिवर्तन और बढ़ती मानव जनसंख्या ने इन समस्याओं को और जटिल बना दिया है ।

भारत द्वारा संरक्षण के प्रयास:

- भारतीय वन्यजीव संस्थान ने सात साल पहले चीता संरक्षण के लिये 260 करोड़ रुपए की लागत से पुनः पुनर्वास परियोजना तैयार की थी ।
- यह विश्व की पहली अंतर-महाद्वीपीय चीता स्थानांतरण परियोजना हो सकती है ।
- पर्यावरण मंत्रालय ने [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(NTCA\)](#) की 19वीं बैठक में 'भारत में चीते की पुनः वापसी हेतु कार्ययोजना' जारी की थी ।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) ने अगले 5 वर्षों के भीतर नामीबिया से 50 अफ्रीकी चीते लाने का फैसला किया है ।

कुनो नेशनल पार्क की मुख्य विशेषताएँ:

- मध्य प्रदेश का कुनो राष्ट्रीय उद्यान सभी वन्यजीव प्रेमियों के लिये **सबसे अनूठे स्थलों में से एक है** ।
- इसमें चित्तिल, सांभर, नीलगाय, जंगली सुअर, चकारा और मवेशियों की स्वस्थ आबादी पाई जाती है ।
- इस वर्ष की शुरुआत में एक बाघ को वापस रणथंभौर में भेज दिये जाने के बाद वर्तमान में इस उद्यान में बड़े मांसाहारी जानवर केवल तेंदुआ और धारीदार लकड़बग्घा ही हैं ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस